Hindi Murli Quiz 21-05-2015

.

Q.1) **“मीठे बच्चे, ज्ञान की प्वाइंट्स को स्मृति में रखो तो खुशी रहेगी, तुम अभी स्वर्ग के गेट पर खड़े हो, बाबा ----------- की राह दिखा रहे हैं''**
[निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे सटीक उत्तर से रिक्त स्थान भरें]

A. ◉ मुक्ति-जीवनमुक्ति
B. ○ परमधाम
C. ○ सूक्ष्म वतन
D. ○ स्थूल वतन

Q.2) **अपने रजिस्टर को ठीक रखने के लिए आज कि मुरली में दिए गये अटेन्शन का चयन करें----**

A. ☑ मन्सा-वाचा-कर्मणा किसी को भी दु:ख नहीं देना है ।
B. ☑ अपना स्वभाव बड़ा फर्स्टक्लास, मीठा हो।
C. ☑ माया नाक-कान पकड़कर कोई पश्चाताप् वाला कर्तव्य न करा दे ।
D. ☐ साधुओं को दान-पुण्य करके अपनी कमाई करनी और प्रारब्ध बनानी है ।

Q.3) **शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही जोड़ें ---**

	Choice	Match
A	भक्ति मार्ग की यात्रा टांगों की होती है, बहुत धक्के खाने पड़ते हैं।	यहाँ तुम बैठे हुए भी याद की यात्रा पर हो।
B	बाप ने समझाया है- शैतानी अवगुणों को खत्म करते जाओ।	शैतानी काम करने से विकर्म बन जाता है।
C	तुम रूहानी टीचर हो,	तुम्हारा काम है पढ़ाना और साथ-साथ मैनर्स सिखलाना।
D	सतयुग में भक्ति होती नहीं, वहाँ है ही सुख।	जहाँ भक्ति है वहाँ दु:ख है।

Q.4) **"बाप आये ही हैं तुम बच्चों को सदा सुखी बनाने। यहाँ कोई बादशाह का बच्चा हो तो वह अपने बाप को और राजाई को देख खुश होगा । भल राजाई है परन्तु फिर भी शरीर के रोग आदि के दुख तो होते ही हैं। तुम बच्चों को निश्चय है कि शिवबाबा हमको पढ़ा रहे हैं। फिर हम स्वर्ग में जाकर राजाई करेंगे। वहाँ किसी भी प्रकार का दु:ख नहीं होगा।"**

A. ◉ True
B. ○ False

Q.5) **सही वाक्य ही चयन करें ---**

A. ☑ ज्ञान की प्वाइंट्स को याद करते तुम बच्चे बहुत खुशी में रह सकते हो।
B. ☑ भक्ति में कितना धक्के खाते हैं फिर भी पुकारते रहते हैं - हे प्रभू नैन हीन को राह दिखाओ ।
C. ☑ समझते हैं इनमें यह ज्ञान बड़ा अच्छा है इसलिए महारथी हैं। बाबा कहते हैं महारथी वह जो याद में रहते हैं।
D. ☑ उठते-बैठते याद में रहें तो विकर्म विनाश होंगे, पावन होंगे, अन्यथा सजा खानी पड़ेगी और पद भी भ्रष्ट हो जायेगा ।
E. ☑ पवित्र बनकर और फिर विकार में गिरा तो की हुई कमाई चट हो जायेगी।

Q.6) **"बुद्धि में यह रहना चाहिए कि हम अशरीरी आये थे, फिर सुख के कर्म सम्बन्ध में बंधे फिर रावण राज्य में विकारी बंधन में फँसें। अब फिर बाप कहते हैं अशरीरी होकर जाना है। यह शरीर यहाँ छोड़ देना है । वो तब छोड़ेंगे जब निरन्तर बाप की याद में रह कर्मातीत हो जाए। इसलिए बाप कहते अपने को आत्मा समझ मुझे याद करो और कलियुगी संबंध भूल जाओ।"**

A. ◉ True
B. ○ False

Q.7) **शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही जोड़ें ---**

	Choice	Match
A	त्रेता को भी वास्तव में स्वर्ग नहीं कहा जाता।	स्वर्ग सिर्फ सतयुग को ही कहा जाता है।
B	तुम बच्चों की बुद्धि में आदि-मध्य-अन्त का ज्ञान है।	आदि अर्थात् शुरू, मध्य हाफ फिर अन्त। मध्य में रावण राज्य शुरू होता है।
C	जिसको हम भक्ति मार्ग में बहुत याद करते थे,	वह आये हैं हम आत्माओं को वापिस ले जाने।

D	सतयुग में तुमको शान्ति भी है, सुख भी है।	बाकी सब आत्मायें चली जायेंगी शान्तिधाम।

Q.8) **आज के वरदान में बापदादा ने विश्व कल्याण के कार्य में बिजी रहने वाले बच्चों कि विशेषताएं स्पष्ट की हैं, उनमें सब सही विशेषतायें ही चयन करें --**

- A. ☐ विश्व कल्याणकारी बच्चे हमेशा फ्री रहते हैं ।
- B. ☑ उन्हें स्वप्न में भी नई-नई बातें, सेवा के प्लैन व तरीके दिखाई देते हैं।
- C. ☑ सेवा में बिजी होने के कारण अपने पुरुषार्थ के व्यर्थ से और औरों के भी व्यर्थ से बचे रहते हैं।
- D. ☑ उनके सामने बेहद विश्व की आत्मायें सदा इमर्ज रहती हैं।
- E. ☑ उन्हें जरा भी अलबेलापन आ नहीं सकता।
- F. ☑ ऐसे सेवाधारी बच्चे विश्व के आधारमूर्त बनते हैं ।

Explanation: विश्व कल्याणकारी बच्चे स्वप्न में भी फ्री नही रह सकते ।

Q.9)

निम्नलिखित रिक्त स्थान को भरें ----

“संगमयुग का एक-एक ---------वर्षों के समान है इसलिए अलबेलेपन में समय नहीं गंवाओ।"

- सेकण्ड, सेकंड, सेकिंड, सेकेण्ड, सेकंड, second , sekand

Q.10) **शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं --**

	Choice	Match
A	मुक्तिधाम कहा जाता है स्वीट होम को।	वहाँ दु:ख-सुख की कोई बात नहीं।
B	सतयुग में शरीर छोड़ने का टाइम होता है तो	साक्षात्कार हो जाता है और शरीर खुशी से छोड़ देते हैं।
C	अपनी ऊंची तकदीर बनाने के लिए, जितना हो सके,	अशरीरी बनने का अभ्यास करना है। किसी का भी नाम-रूप याद न आये ।
D	कभी भी आसुरी चलन नहीं चलनी है।	दिल की सच्चाई से नष्टोमोहा बन भारत को स्वर्ग बनाने की सार्विस में लग जाना है।